



[illegible]

व गु ख नः सा वा वा वा जा डि व या उ सा म ॥ ५ ॥ य म न सु जा
 सा वा हा लि खा य नि हा नः म न सु क्ष न माल ना ख ॥ अ व हा ॥ व् का न स वा
 हा नु ख न म् स न य म् सः वा धि व था य था य नि त्रि य नि म् दा वः सि न य् च नु नि त्रि व् स
 ॥ अ व हा ॥ हा डि क न वा म् नाः उ म न र्द न द न्ना नाः वा धि न स व था नु ना सा ॥ व
 नी खा या व न स म् स न स ना व ॥ अ व हा क स न्ना अ व गु ख नः सा व ॥ ३ ॥ ५ ॥ ५ ॥

पालसुतः वकयत्र लपः सुदव ३ नत्र ननरु मेमद ॥ १ ॥
निहमकाति ॥ २ ॥ आत्रसुतसत्रात्र जगदावक्रहाथः गत्रद सुत गोहा
न नाथ ॥ ३ ॥ आत्रत्व हत्रसंयः वृमन क आ नः आगमनिगमया जगने
ना ॥ ४ ॥ आत्रनृय जगतामि कह ह कलदवाः कृत्रहिग कलमयत्र न कुव
सवा ॥ ५ ॥ १ गगलमकति ॥ त्रयकलिविः कदमयाधिवथः हाकलमाज उ
यात्रिह मात्रा ॥ ज्वत्रद हाम् दालिह मात्रा ॥ ॥ साग्रुनिसयमन ददखिमाय

अत्रः खिडि खिडि यात्रिहा गत्रिहामात्रा ॥ २ ॥ गामलत्रिकायी कलनथश्वा
लिः हाकलजायिह गत्रिहामात्रा ॥ ३ ॥ इमनकनिलस्मिः लाधिकलमिहा
दक्रु क क्रया जसात्रा ॥ ४ ॥ गुलदागयुरुमत्रिन्दलगाकाः गुमडिने
हमहात्रिहामात्रा ॥ ५ ॥ १ गगमल्ला ॥ त्रयक् ॥ रुवरुयः इह इनीः ज
रुत्रविनाहिनीः इगजनयाविनीः त्रिरुवननात्रीति ॥ मनसुखः इ
नित्रियगनमालिनिः इय इय दायनिः इयवल्हात्रिनि ॥ त्रग

दिनि इति ननि कं प्रिनिः ॥ गयनि यात्रिनि समुत्रवि ॥ १ ॥
निमतिः वंदि यत्र लगतिः ॥ गगम न्नाल जनिः ॥ गाल नृय क गतिः ॥ ५ ॥
॥ यल गला ॥ दवि ह ना ह ही ज गमा नाः ॥ सकल समन स नि ज्जु रि म नः ॥
प्रिय दा त्र थ दा ना ॥ ५ ॥ दा ठि म द स न या तिः ॥ ज्जु ल वि व म की तिः ॥ सू क क
स द न प्र ग न व द नः ॥ य न्नि मा र्य ड क रु ति ॥ न य न र्हा ह वि ला सः ॥ म द न
वा न प्र का सः ॥ वि क य क म ल इ ग ल उ य लः ॥ रु म ल या ति वि का स ॥ द न व द

॥ त स न सिलः ॥ वी हि न स म त्र लि लः ॥ रु ग न ना त्रि नि इ त्रि न दा त्रि निः ॥ वि व्ध
या ल न श्री ल ॥ नृ य ज ग जा नि ग व गु ज्जु य द म न ला यः ॥ ज ह न ज ल द वा
ठ क वा ह यः ॥ ज्जु न कि क्क न हि रु व ॥ ५ ॥ १ ॥ यिल वि ग ग भा ज्जु सा नाः
वा ॥ ज्जु य त्रा भ न ज ल रु ॥ स्या म ना ग लः ॥ ज्जु वि न्जि व न क थि न
रु त्र मि व मि वः ॥ स स खि ल ग व द वं गी व जा व ल हा ॥ ५ ॥ रु न्द
व व ना हः ॥ ह लि या सः ॥ द व ल सो त्रि य लि न ह म ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ नववात्राकिवृत्तानि के कामे क-
हंमः कि कनत्रयायं हृष्टिविष्टिवः नृहन् शृगुनि हं हं नृहन् नृहन्
॥ ऊगनयुकासक हृदविचयन नृकरावः हं नृविलत्रिन नृगा ॥ मि
वष्टिवः जृथ ॥ नात्रानामठा लहि गव हंष्टिव ॥ हं नृवित्राग ॥ हंसिव के
थत्तु यक व थ्मात्रि ॥ दिगव सदाष्टिव का कव सन ॥ व ग हृचलनष्टिव वि
लादमशान ॥ रुगयप्रिजनः शं ऊन यात्रायः हृन कृ न नावयं दमत्रवज

वयमा ॐ ॥ ३ ॥ १ रागा का माला ॥ ४ ॥ वी दव दन हल वी दगिल क ध री ॥
वा दसख वल अमः रुमिने रु मय कयः स दासि व नाय ल गा उ त्रि गा ख
ल दिस वाम ॥ द्य दू गून मुख स ॥ हि रु ल गा न ध री ॥ मा ध व मू र्ता व डा व
मू ग्री गान गा व ल सू गा व द पिक सम ल विस म्भि मा मा व आ ल ॥ गान व नि स
नय नि दू ज न क य त ह ॥ सा नं द नि ग वि हा लः ग गान ख य ल रु त्र कु ल की
ज्ठि क त्रि नृ प द ल ड त्र आ त्र ॥ ज ग न प्र का स ॥ १ ॥ स र ॥ ल

रु ठु नि मू ठु नि द वि स ल ॥ ज ग न ज न नि ल सा क ज र
क त्र न गी द्या व ॥ ५ ॥ १ रागा वि ल स ॥ १ ॥ स न्द जि नृ ग ह म हि डि व
न डि नृ गा हा ख डः भ त्र सा धू के ज द के त्र मा हा द कि रु रु ॐ त्र उ ॥ ना त्र
द स न्द सृ जं ग ल न हि ॥ १ ॥ आं रु ग गा म त्र ठु न भ व ना हा त्र उ म यीः
ठु वा सी च त्र हि रु ग गा आ ण द उ त्र उ न डि रु ग गा न कि आ सा ना त्र द
॥ २ ॥ ल र्कि मि ह मा त्रा ज्ध लि त्र ख रु ग न न का दा सि ग क ल नि र्थ रु ग न क

वत्रना. कानि गंगजुडत्र काभि॥ नात्रद॥ १॥ इ इ सु मृम लो. एन ग पा
व. मूल खमूल ह गमाया दा ग क विल ताम क ह मा. ह त्रिजा पन मृक्षी ग
व य॥ नात्रद सन सु जं न ल न हि॥ प्रज्य न्य मृक्षी ग म डा॥ ५॥ ७७॥
१ ग ग वि रु स॥ ख॥ व द नि ठि य त्राः कु माल मा भव वि सु न् या द य. रु ड गि व
ल निः नं द ग्ग क ल जा यि स ल ना क क्का ॐ लो त्र॥ इ य. य वा सु द व म
कु द मा भव॥ कं सु ड न न त्रा त्रिः क व नं का ल न न मा ल ड प य ति

जायी लो ल॥ इ य॥ न व त न लिय द न जं दि य र. ना ल. वा व ड
या ल न कं न त्रा डा क ड न रु ल मा ला॥ २॥ इ य॥ ज गि स त्र य ड कं न क
म ल ग्ग रि न क न कं द ल॥ स ख च क ग दा भ ल गु व ग त्र ड वा ह न ल॥ इ य॥ ३
त्री म त्री म ड गु मा ल मा भवः न हि ड न भ नि मि नि ग्ग रूः ये स व न व नि जाः
ॐ स ल ना क क्का यि त्रा त्रा॥ ४॥ इ य वा सु द व म कु द मा भव ४॥ १ ग ग कं द ना
प्र न व डा द व गु व च ल न डा त्रः म त्र ख रु य मा य क य त्र ह या र्यः न हि न द

यत्नमनिष्टाय॥ प्रसवकस्तवद्वयं न खं न ह क कु या न पावत्रसुखा॥ इति
मङ्गलमः हावद्वयवदासः कर्त्तृनाथलाखजायवदास॥ माधवयत्रधनियत्र
सरुनः श्री दसखत्रमत्रायलाना॥ वत्रनक्षत्रा॥ ५॥ १॥ रागनागा॥ श्री दनि॥ ह
कलधत्रिद्विज्जालिहलदखिमदनल्वरुतर् नलजा॥ लिट् कलस
त्रवगयलत्रविवाज्जाला॥ कनर्धराज्ञां जालमनिवाज्जाला॥ मत्रनृपिंद
नहयव्ववभाना॥ श्री दवदनरुलवदननिधाना॥ ३॥ १॥ रागनागा॥

मायस्वन् कनवमदलसगविगा॥ ४॥ रागनागा॥ इति
सत्रिधनिः जनी उचठवर्तकद्विज्जालि॥ ५॥ रागनागा॥ इति
जत्रगिलवतठजगिधनिपुगमाना॥ ६॥ रागनागा॥ इति
त्रनगीवयुलीया॥ ७॥ रागनागा॥ इति
हिठक्रिकसमाना॥ ८॥ रागनागा॥ इति
इति रागनागा॥ ९॥ रागनागा॥ इति